हरियाणा जागरण
हिसार, 25 जनवरी, 2009
www.jagran.com

कैथल में लहराएगा सबसे ऊंचा व विशाल तिरंगा

सतीपाल सिंह, कैथल

भारत की आन-बान और शान का प्रतीक तिरंगा जब कैथल में लहराएगा तो एक नया रिकार्ड बनेगा। यहां फहराया जाने वाला तिरंगा पूरे हिन्दुस्तान में सबसे ऊंचा व बड़ा होगा। 30 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाले इस झंडे के साढ़े 4 फुट परिधि वाले 12 टन वजनी पोल की लंबाई 206 फीट होगी वहीं इस पर लहराया जाने वाला तिरंगा 40 किलोग्राम वजनी तथा 72 फुट लंबा और 48 फुट चौड़ा होगा। खास बात यह भी है जहां आमतौर पर तिरंगे को फहराने में 30 सैकेंड का समय लगता है वहीं मोटर से फहराने व उतारे जाने वाले इस विशाल तिरंगे को फहराने में 5 मिनट का समय लगेगा। इस विशालकाय तिरंगे का रिकार्ड गिनीज बुक में भी दर्ज होगा।

कैथल के सौंदर्यीकरण को चार चांद लगाने वाले प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जहां पर भगवान हनुमान की विशालकाय 51 फुट की हनुमान मूर्ति स्थापित है, वहीं पर यह ध्वज लहराया जाएगा। इस तिरंगे को फहराने वाले पोल को लगाने का कार्य इस समय जोर-शोर से चल रहा है। इसके निर्माण कार्य में 6 सप्ताह का समय लगेगा। फ्लैग फाउंडेशन आफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सांसद नवीन जिंदल की देखरेख में बनवाए जा रहे इस तिरंगे व पोल का निर्माण कार्य मुंबई की बजाज इलेक्ट्रिक कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

इसका पोल हाईटेंशन स्टील धातु से बनाया जा रहा है। पोल के ऊपरी सिरे पर दो लाल बत्ती भी लगाई जा रही हैं ताकि वायुयानों को पोल दूर से दिखाई दे। गौरतलब है कि इससे पूर्व देश में विशाल तिरंगा चेन्नई में स्थापित है जिसकी लंबाई करीब 145 फुट है। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि उनका उद्देश्य राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधना है।

उन्होंने कहा कि तिरंगा राष्ट्र भावना को दर्शाने का एक जरिया है तथा इससे पूरे विश्व को हमारी एकजुटता तथा सहयोग का संदेश मिलता है। फ्लैग फाउंडेशन आफ इंडिया के सीईओ कमांडर केवी सिंह

- 72 फुट लंबा, 48 फुट चौड़ा व 40 किलो वजन का होगा ध्वज
- मोटर की सहायता से तिरंगे को फहराने और उतारने में लगेगा पांच मिनट का समय
- चबूतरा और पोल बनने में लगेगा छह सप्ताह का समय

ने बताया कि यह तिरंगा देश का सर्वाधिक ऊंचा व बड़ा तिरंगा होगा। इसे 28 फरवरी से पहले फहराया जाएगा। तिरंगे के चबूतरे को आकर्षक बनाने के लिए आगरा का पत्थर लगाया जाएगा। बजाज इलेक्ट्रिक कंपनी के डिप्टी जनरल मैनेजर सौरिल ने बताया कि इस तिरंगे के पोल की डिजाइनिंग में एक माह का समय लगा है तथा इसके बाद ही वह साइट पर भेजा गया है। पूरी मजबूती देने के लिए इसके प्रयोग में हाईटेंशन स्टील धातु का प्रयोग किया गया है।

विशाल तिरंगे को फहराने के लिए बनाए जा रहे पोल को बनाने में जुटे कर्मचारी। जागरण